प्र. 3. कला से आप क्या समझते हैं? कला के प्रकारों का वर्णन कीजिए।

What do you know about Art? Describe the types of Arts.

अथवा / OR

देलवाड़ा के मंदिरों का वर्णन कीजिए।

Describe the Delwara Jain Temple.

प्र. 4. जैन साहित्य पर निबन्ध लिखिए।

Write an essay on Jain Literature.

अथवा / OR

आगमवाचना का वर्णन कीजिए।

Describe the Aagamvachna.

प्र. 5. किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखिए –

Write short note on any four-

(i) गुफा मंदिर/Cave Temple

(ii) पार्श्वनाथ/Parshvanath

(iii) जैन जीवन शैली/Jain way of life

(iv) जैन टीका साहित्य/Jain Commentary Literature

(v) जैन तीर्थ/Jain Pilgrimages

(vi) कंकाली टीला/Kankali Tila

♦♦♦

Q. Paper Code : MJD101

दूरस्थ पाठ्यक्रम परीक्षा – 2019

विषय : जैनविद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन

एम.ए. (पूर्वार्द्ध)

प्रथम पत्र : जैन इतिहास, संस्कृति, साहित्य एवं कला

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. भगवान ऋषभदेव पर निबन्ध लिखिए।

Write an essay aon Lord Rishabh.

अथवा / OR

भगवान महावीर के जीवन पर प्रकाश डालिए।

Highlight the life of Lord Mahavira.

प्र. 2. जैन संस्कृति की वर्तमान में प्रासंगिकता स्पष्ट कीजिए।

Explain the application and relavance of Jain culture.

अथवा / OR

जैन पर्व पर निबन्ध लिखिए।

Write an essay on Jain festival .

अथवा / OR

जैन दर्शन में आचार मीमांसा के सिद्धान्तों का उद्‌भव और विकास कैसे हुआ?
How did the ethical doctrine in Jainism origin and develop?

प्र. 4. 'अणुव्रत' को अपने शब्दों में समझाएं।
Explain 'Anuvrat (Small vows)' in your own words.

अथवा / OR

श्रमण के परिषह पर विस्तृत टिप्पणी लिखें।
Write long note on 'Twenty two kinds of difficulties' of Shraman (Monk).

प्र. 5. 'आचार्य' एवं 'संघ' पर टिप्पणी लिखें।
Write notes on 'Acharya' and 'Sangh'.

अथवा / OR

'संलेखना' को समझाएं।
Explain the concept of Emancipation penance.

♦♦♦

दूरस्थ पाठ्यक्रम परीक्षा – 2019

विषय : जैनविद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन

एम.ए. (पूर्वार्द्ध)

द्वितीय पत्र : जैन तत्त्व मीमांसा एवं आचार मीमांसा

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. तत्त्व के स्वरूप को समझाएं।
Explain the nature of Reality.

अथवा / OR

लोक के स्वरूप को समझाएं।
Explain the nature of Universe.

अथवा / OR

प्र. 2. 'आकाश' और 'काल' पर टिप्पणी लिखें।
Write notes on 'Space' and 'Time'.

अथवा / OR

आत्मा के स्वरूप को समझाएं।
Explain the nature of Soul.

प्र. 3. जैन दर्शन के अनुसार 'पुद्‌गल' को समझाएं।
Explain the concept of 'Matter' according to Jain Philosophy.

अथवा / OR

समाधि पर एक निबन्ध लिखें।

Write an essay on 'Samadhi.

प्र. 4. 'कर्म सिद्धान्त और मनोविज्ञान' पर एक निबन्ध लिखिए।

Write an essay on 'Karma Theory & Psychology.

अथवा / OR

पंचसमवाय की अवधारणा क्या है? नियतिवाद की व्याख्या कीजिए।

What is the concept of 'Five aspects'? Explain the Niyativad.

प्र. 5. 'गुणस्थान' की व्याख्या कीजिए।

Explain the Gunsthan (State of spiritual development).

अथवा / OR

आत्मा और कर्म का सम्बन्ध समझाइये।

Explain the mutual relation between soul and karma.

♦♦♦

दूरस्थ पाठ्यक्रम परीक्षा - 2019

विषय : जैनविद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन

एम.ए. (पूर्वार्द्ध)

तृतीय पत्र : जैन ध्यान, योग एवं कर्म मीमांसा

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 70

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. हरिभद्र की योगदृष्टियों का वर्णन कीजिए।

Describe the Yogadristies of Haribhadra.

अथवा / OR

ध्यान और सालम्बन ध्यान पर निबन्ध लिखिए।

Write an essay on 'Dhyan and Salamban Dhyan'.

प्र. 2. प्रेक्षाध्यान और उसके आगमिक स्रोतों पर प्रकाश डालिए।

Throw light on the 'Preksha Meditation and it's scriptural sources.

अथवा / OR

भावना क्या है? उसके भेद बतलाते हुए द्वादशानुप्रेक्षा का वर्णन करें।

What is Bhavna (Passion)? Write its divisions and explain the Twelve Contemplations.

प्र. 3. अष्टांग योग की विस्तृत व्याख्या कीजिए।

Explain the Ashtang Yoga in detail.

प्र. 3. जैन दर्शनानुसार मनःपर्ययज्ञान की अवधारणा पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

Discuss in detail the concept of Mind-reading according to Jainology.

अथवा / OR

अवधिज्ञान और मनःपर्ययज्ञान में समानता और असमानता का विस्तार से विवेचन कीजिए।

Discuss in detail the similarity and dis-similarity of Avadhi and Manah-paryaya Jnana.

प्र. 4. भारतीय दर्शन के उन्नयन में जैन न्याय के योगदान पर प्रकाश डालिए।

Throw light on the contribution of Jaina-logic in the development of Indian Philosophy.

अथवा / OR

'आगम युग में जैन न्याय का विकास' पर एक सारभूत निबन्ध लिखिए।

Write an essential essay on the development of Jaina-logic in the age of Agamas.

प्र. 5. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए–

Write short notes on any four of the following-

(i) तर्क / Inductive Reasoning

(ii) सर्वज्ञत्व / Omniscience

(iii) धारणा / Dharana

(iv) अंगप्रविष्ट / Anga-pravista

(v) चारित्र / Character

♦♦♦

दूरस्थ पाठ्यक्रम परीक्षा – 2019

विषय : जैनविद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन

एम.ए. (पूर्वार्द्ध)

चतुर्थ पत्र : जैन ज्ञान मीमांसा एवं जैन न्याय

समय : 3.00 घण्टे **पूर्णांक : 70**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. प्रत्यक्ष और परोक्ष ज्ञान की अवधारणा क्या है? उन्हें टीका के साथ विस्तार से समझाइए।

What is the concept of direct and indirect knowledge? Discuss in detail with commentory on its.

अथवा / OR

आप ज्ञान के प्रमाता और प्रमेय के मध्य सम्बन्ध की व्याख्या कैसे करते हैं? स्पष्टतया प्रकाश डालें।

How do you explain the relation between subject and object of knowledge? Discuss clearly.

प्र. 2. श्रुतज्ञान क्या कहलाता है? उनके प्रकारों के साथ विस्तार से समझावें।

What is called Sruta-jnana? Explain in detail with its kinds.

अथवा / OR

सम्यक् श्रुत और मिथ्याश्रुत क्या हैं? अक्षर और अनक्षरश्रुत को समझावें।

What is Samyak-sruta and Mithya-sruta? Define the Aksara and Anaksara-sruta.

अथवा / OR

भगवती सूत्र के आधार पर प्रमाण के स्वरूप व भेद को स्पष्ट करें।

Clarify the nature and types of Valid Cognition (Pramana) on the basis of Bhagvati Sutra?

प्र. 4. उत्तराध्ययन सूत्र की विषय वस्तु पर प्रकाश डालिए।

Throw light on the main theme of 'Uttaradhyana Sutra'.

अथवा / OR

आगम साहित्य में उत्तराध्ययन सूत्र की महत्ता को विस्तार से समझाए।

Explain in detail the importance of Uttaradhyan Sutra in cannonical literature.

प्र. 5. समयसार में विवेचित जीव–अजीव अधिकार को समझाइए।

Explain the concept of soul-noul-soul described in samaysaar.

अथवा / OR

निम्न की व्याख्या कीजिए– / Explain the following-

(i) भूदत्थेणाभिगदा जीवाजीवा य पुण्णपावं च।
आसवसंवरणिज्जरबंधो मोक्खो य सम्मत्तं।।

(ii) जो पस्सदि अप्पाणं, अबुद्धपुट्ठं अणण्णयं णियदं।
अविसेसमसंजुत्त तं सुद्धणयं वियाणीहि।।

♦♦♦

दूरस्थ पाठ्यक्रम परीक्षा – 2019

विषय : जैनविद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन

एम.ए. (उत्तरार्द्ध)

पंचम पत्र : जैन आगम

समय : 3.00 घण्टे **पूर्णांक : 80**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. आचारांग सूत्र के अनुसार पुनर्जन्मवाद की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

Clarify the concept of Re-birth on the basis of Acharanga Sutra.

अथवा / OR

आचारांग सूत्र के अनुसार अहिंसा के स्वरूप पर प्रकाश डालें।

Throw light on the concept of Non-violence on the basis of Acharanga Sutra.

प्र. 2. सूत्रकृतांग की विषय वस्तु पर प्रकाश डालिए।

Throw light on the main theme of Sutrakritanga.

अथवा / OR

सूत्रकृतांग के आधार पर बंधन व मुक्ति के सिद्धान्त को स्पष्ट करें।

Clarify the concept of bondage & liberation on the basis of Sutrakritanga.

प्र. 3. भगवती सूत्र में प्रतिपादित जीव एवं शरीर के सम्बन्ध को विस्तार से समझाए।
Explain in detail the relation between soul and body mentioned in Bhagvati Sutra.

प्र. 3. वस्तु अनेकान्तात्मक होती है – इस पर निबन्ध लिखें।

Write an essay on poly-attributive nature of an object.

अथवा / OR

गुण, पर्याय व द्रव्य के मध्य भेद का अभेद के विषय में आचार्य सिद्धसेन के विचारों को स्पष्ट करें।

Explain the view of Acharya Siddhasena regarding the difference or identity among Guna, Paryaya and Dravya.

प्र. 4. अनेकान्त दृष्टि नय सिद्धान्त में किस प्रकार अभिव्यक्त होती है, इसे विस्तार से बताएं।

Elaborate whether Anekant attitude expresses itself in the theory of Nayas (Points of view).

अथवा / OR

अनेकान्त दृष्टि को वाणी द्वारा अभिव्यक्त करने की पद्धति स्याद्वाद है इस उक्ति पर अपने विचार प्रकट करें।

Express your views regarding the statement: Syadvada is the dialectical presentation of Anekanta attitude.

प्र. 5. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखिये –

Write short notes on any four of the following :

(i) स्याद् अवक्तव्य / Syad-Avaktavya
(ii) व्यवहार नय/ Vyavahar Naya
(iii) स्वरूप चतुष्टय / Swaroop Chatustaya
(iv) स्थापना निक्षेप / Sthapana Nikshep
(v) अनुयोग द्वार सूत्र / Anuyogadwara Sutra
(vi) सप्तभंगी/ Saptabhangi

♦♦♦

दूरस्थ पाठ्यक्रम परीक्षा – 2019

विषय : जैनविद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन

एम.ए. (उत्तरार्द्ध)

षष्ठ पत्र : अनेकान्त, नय, निक्षेप और स्याद्वाद

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 80

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. आचार्य सिद्धसेन द्वारा जैन दर्शन को किये गये योगदान को रेखांकित करें।

Evaluate the contribution of Acharya Siddhasena to Jain Philosophy.

अथवा / OR

अनुयोगद्वार सूत्र में प्रतिपादित नैगम व ऋजुसूत्र नय के स्वरूप को व्याख्यायित करें।

Explain the concept of Naigam and Rijusutra Naya as depicted in Anuyogdwara Sutra.

प्र. 2. दो विरूद्ध नयों के मध्य अनेकान्त दृष्टि किस प्रकार समन्वय स्थापित कर सकती है? आचार्य सिद्धसेन के विचार को प्रस्तुत करें।

How Anekant outlook tries to establish co-ordination between two opposite Nayas (stand points)? Write the view of Acharya Siddhasena in this respect.

अथवा / OR

स्याद्वाद सिद्धान्त को व्याख्यायित करने में नयवाद के महत्त्व का विस्तार से कथन करें।

Elaborate the importance of Nayavada in propounding Syadvada doctrine.

प्र. 3. जैन व्रतों की विस्तार से व्याख्या कीजिए।

Explain in details the Jain Vratas (Vows).

अथवा / OR

अविद्या सिद्धान्त को स्पष्ट कीजिए।

Explain the theory of Avidya.

प्र. 4. ''क्या विचारों में अनेकान्त आवश्यक है''? जैन दर्शन के परिपेक्ष्य में सिद्ध कीजिए।

Is Anekant essential in thoughts? Prove it in the perspective of Jain Philosophy.

अथवा / OR

जैन न्याय परम्परा की व्याख्या कीजिए।

Explain the tradition of Jain Logic.

प्र. 5. किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखिए–

Write short notes on any four of the following-

(i) भक्ति/Religious Devotion

(ii) प्रेक्षाध्यान/Preekshadhyan

(iii) सार/Saf

(iv) मोक्ष/Liberation

(v) अविद्या/Avidya

(vi) प्रमाण/Praman

♦♦♦

दूरस्थ पाठ्यक्रम परीक्षा – 2019

विषय : जैनविद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन

एम.ए. (उत्तरार्द्ध)

सप्तम पत्र : जैन धर्म–दर्शन और भारतीय धर्म–दर्शन

समय : 3.00 घण्टे **पूर्णांक : 80**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. जैन और बौद्ध दर्शन के अनुसार आत्मतत्त्व पर प्रकाश डालिए।

Throw light on soul theory according to Jain and Bauddha Philosophy.

अथवा / OR

जैन एवं सांख्य दर्शन के अनुसार कारण–कार्यवाद पर तुलनात्मक विवेचन कीजिए।

Write a comperative study on cause and effect theory according to Jain and Samkhya Philosophy.

प्र. 2. 'अहिंसा सर्वश्रेष्ठ धर्म है', भारतीय दर्शन के परिपेक्ष्य में सिद्ध कीजिए।

'Non-violence is the best religion', Prove it in perspective of Indian Philosophy.

अथवा / OR

जैन दर्शन के ब्राह्य एवं आन्तरिक तप पर प्रकाश डालिए।

Throw light on external and internal Taps (Penance) according to Jain Philosophy.

प्र. 4. जैन एवं पारसी धर्म के नीतिशास्त्र पर प्रकाश डालिए।

Highlight the concept of Ethics of Jain and Parsi Religion.

अथवा / OR

कन्फ्यूशियस एवं जैनधर्म में ईश्वर की अवधारणा की तुलना कीजिए।

Compare the concept of God in Confucious and Jain Religion.

प्र. 5. निम्न में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए–

Write short note on any two of the following-

(i) लाईबनीज का चिदणुवाद

Monads of Leibnitz.

(ii) पर्यावरण एवं अहिंसा

Environment and Non-violence

(iii) जैन जीवन शैली

Jain way of life

♦♦♦

दूरस्थ पाठ्यक्रम परीक्षा – 2019

विषय : जैनविद्या एवं तुलनात्मक धर्म तथा दर्शन

एम.ए. (उत्तरार्द्ध)

अष्टमपत्र : जैन धर्म–दर्शन और भारतीयेत्तर धर्म–दर्शन

समय : 3.00 घण्टे **पूर्णांक : 80**

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all questions. Each question carries equal marks.

प्र. 1. काण्ट के नीतिशास्त्र सम्बन्धी विचारों को स्पष्ट कीजिए।

Explain the Ethical thoughts of Kant.

अथवा / OR

डेकार्ट के द्वैतवाद एवं जैनदर्शन के द्वैतवाद की तुलना कीजिए।

Compare the dualism of Decort and Jain Philosophy.

प्र. 2. लाइबनीज की देशकाल सम्बन्धी अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

Explain the concept of Space and Time of Leibnitz.

अथवा / OR

पाश्चात्यदर्शन में आत्मा का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

Explain the nature of Soul in western philosophy.

प्र. 3. स्पिनोजा के अनुसार द्रव्य का स्वरूप लिखिए।

Write the nature of substance according to Spinoza.

अथवा / OR

काण्ट और जैनदर्शन के कारण–कार्य सिद्धान्त की तुलना कीजिए।

Compare the theory of cause and effect of Kant and Jain philosophy.